प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

सिमिट एवं इकार्डा के वैज्ञानिकों ने दिया व्याख्यान

पंतनगर। ०६ मार्च, २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आज अन्तर्राष्ट्रीय मक्का एवं गेहूं अनुसंधान केन्द्र (सिमिट), मेक्सिको के जननद्रव्य संसाधन के निदेशक, डा. केविन वी. पिक्स्ले एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, डा. सुखविन्दर सिंह, तथा बारानी खेती पर अन्तर्राष्ट्रीय कृषि शोध केन्द्र (इकार्डा), मोरोक्को के वरिष्ठ वैज्ञानिक, डा. एस के अग्रवाल एवं डा. सैयद अहमद कलाम, द्वारा व्याख्यान दिया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. जे कुमार, की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में अन्तर्राष्ट्रीय शोध केन्द्रों से आये वैज्ञानिकों द्वारा क्रमशः सिमिट तथा इकार्डा में चल रहे शोध कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं उपलब्ध शोध संसाधनों पर प्रकाश डाला गया। वैज्ञानिकों द्वारा गेहूं एवं दलहनी फसलों के प्रजातियों के विकास में अधिक उपज, गुणवत्ता, रोग अवरोधिता तथा पोषक तत्व की प्रचुरता हेतु इन संस्थानों द्वारा विकसित विशिष्ट जननद्रव्यों एवं आधुनिक आणविक तकनीकों के उपयोग पर बल दिया गया।

अधिष्ठाता कृषि, डा. डी.एस. पाण्डेय, द्वारा कुलपति एवं वैज्ञानिकों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. जे.पी. जायसवाल, प्राध्यापक एवं वरिष्ठ गेहूं प्रजनक, द्वारा किया गया। इस अवसर पर डा. सलिल तिवारी, विभागाध्यक्ष पादप प्रजनन; डा. एस के वर्मा, दलहन प्रजनक; डा. अनिल कुमार, विभागाध्यक्ष, एमबीजीई; डा. संदीप कुमार, प्राध्यापक, एमबीजीई, के साथ-साथ लगभग १५० वैज्ञानिकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

इससे पूर्व विश्वविद्यालय के नॉरमन ई. बोरलॉग फसल अनुसंधान केन्द्र के प्रक्षेत्रों पर, डा. केविन वी. पिक्स्ले एवं डा. सुखविन्दर सिंह, के द्वारा गेहूं शोध कार्यक्रम का विस्तृत अवलोकन किया गया। साथ ही डा. एस.के. अग्रवाल एवं डा. सैयद अहमद कलाम द्वारा दलहन शोध कार्यक्रम का अवलोकन किया गया। इन कार्यक्रमों के अवलोकन के दौरान संबंधित वैज्ञानिकों से विस्तृत चर्चा की गयी तथा अन्तर्राष्ट्रीय शोध संस्थानों में उपलब्ध जननद्रव्यों के प्रयोग पर बल दिया गया।

कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन सिमिट एवं इकार्डा के वैज्ञानिकों के साथ कुलपति, डा. जे. कुमार।